मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 15

अनुक्रमांक

नाम

102/1 304(MO)

2017

सामान्य हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 50

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक हैं

i) सदासुख लाल

ii) राजा लक्ष्मण सिंह

iii) श्रद्धाराम फिल्लौरी

iv) इंशा अल्ला खाँ । 1

https://www.upboardonline.com

ख) 'श्री चन्द्रावली' नामक नाटक के लेखक हैं

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) हरिकृष्ण प्रेमी

iv) श्रीनिवास दास । 1

ग) सरदार पूर्णसिंह किस युग के लेखक हैं ?

i) भारतेन्दु युग

ii) द्विवेदी युग

iii) छायावाद युग

iv) प्रगतिवाद युग । 1

https://www.upboardonline.com

घ) हिन्दी एकांकी का जनक माना जाता है

i) मोहन राकेश को

ii) विष्णु प्रभाकर को

iii) उदयशंकर भट्ट को

iv) डॉ० रामकुमार वर्मा को । 1

ङ) 'निन्दा रस' रचना है

i) मोहन राकेश की

ii) श्यामसुन्दर दास की

iii) हरिशंकर परसाई की

iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की । 1

https://www.upboardonline.com

2. क) 'यामा' रचना है

i) जयशंकर प्रसाद की

ii) महादेवी वर्मा की

iii) अज्ञेय की

iv) सुमित्रानन्दन पंत की । 1

ख) हिन्दी साहित्य के आदिकाल के लिए 'सिद्ध सामन्तकाल' नाम दिया है

i) राहुल सांकृत्यायन ने

ii) रामचन्द्र शुक्ल ने

iii) रामकुमार वर्मा ने

iv) डॉ० नगेन्द्र ने । 1

https://www.upboardonline.com

ग) 'कला और बूढ़ा चाँद' के रचनाकार हैं

i) जयशंकर प्रसाद

ii) गिरिजाकुमार माथुर

iii) हरिवंशराय बच्चन

iv) सुमित्रानन्दन पंत । 1

घ) निम्नलिखित में छायावादयुगीन कवि हैं

i) जयशंकर प्रसाद

ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iii) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

iv) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'। 1

ङ) हिन्दी साहित्य के किस काल को 'स्वर्ण युग' कहा जाता है ?

i) आदि काल

ii) भक्ति काल

iii) रीति काल

iv) आधुनिक काल । 1

https://www.upboardonline.com

3. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2 + 5 = 7

i) साहित्य, कला, नृत्य, गीत, आमोद-प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रगट करते हैं । आत्मा का जो विश्वव्यापी आनंद-भाव है, वह इन विविध रूपों में साकार होता है । यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखाई पड़ते हैं, किन्तु आन्तरिक आनन्द की दृष्टि से उनमें एक-सूत्रता है । जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनंद-पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनन्दित होता है । इस प्रकार की उदार भावना ही विविध जनों से बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है ।

https://www.upboardonline.com

ii) निन्दा का उद्गम ही हीनता और कमजोरी से होता है । मनुष्य अपनी हीनता से दबता है । वह दूसरों की निन्दा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है । उसके अहं की इससे तुष्टि होती है । बड़ी लकीर को मिटाकर छोटी लकीर बड़ी बनती है । ज्यों-ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों-त्यों निन्दा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) मनुष्य-मनुष्य के बीच मनुष्य ने ही कितनी दीवारें खड़ी की हैं ।

ii) संघर्षों से मनुष्य ने नई शक्ति पाई है ।

iii) संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है ।

https://www.upboardonline.com

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2 + 5 = 7

i) यही आता है इस मन में,
छोड़ धाम-धन जाकर मैं भी रहूँ उसी वन में ।
प्रिय के व्रत में विघ्न न डालूँ, रहूँ निकट भी दूर,
व्यथा रहे, पर साथ-साथ ही समाधान भरपूर
हर्ष डूबा हो रोदन में
यही आता है इस मन में ।

ii) छायाएँ मानव-जन की
नहीं मिटीं लम्बी हो-होकर :
मानव ही सब भाप हो गए ।
छायाएँ तो अभी लिखी हैं,
झुलसे हुए पत्थरों पर
उजड़ी सड़कों की गच पर ।

https://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) जनकर जननी ही जान न पाई जिसको ?

ii) इस धारा-सा ही जग का क्रम, शाश्वत इस जीवन का उद्‌गम ।

iii) मैं नीर भरी दुःख की बदली ।

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए :

2 + 2 = 4

i) वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी

iii) मोहन राकेश ।

https://www.upboardonline.com

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए :

2 + 2 = 4

i) मैथिलीशरण गुप्त

ii) सुमित्रानन्दन पंत

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

7. क) 'ध्रुवतारा' **अथवा** 'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । 4

अथवा

'पंचलाइट' **अथवा** 'बहादुर' कहानी के कथानक की विवेचना कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 4

i) 'राजमुकट' नाटक के कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के आधार पर महाराणा प्रताप का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर सुनन्दा का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक के तृतीय अंक का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

iii) 'आन का मान' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक के आधार पर 'दुर्गादास' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'गरुडध्वज' नाटक के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए ।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक के द्वितीय अंक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिये ।

v) 'सूतपुत्र' के प्रमुख पात्र कर्ण के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक के कथानक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर अभिशाप सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' के आधार पर श्रवणकुमार का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक हर्षवर्द्धन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का सारांश लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग का सार प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

304(MO) – 2,90,000

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.upboardonline.com